राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • बृहस्पतिवार • 8 फरवरी • 2024

स्कूलों में चलाया फसल अवशेष प्रबंधन जागरूकता अभियान

कानपुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा फसल अवशेष योजना के अंतर्गत स्कूल विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बुद्ध लाल वर्मा इंटर कॉलेज पेम्हान में आयोजित किया गया। जिसमें 135 से भी अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

यह कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के प्रभारी डॉ.अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुआ। डॉ.सिंह ने बताया कि किसान फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं। जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है साथ ही साथ मृदा में पोषक तत्वों का नुकसान होता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया कि पराली (फसल अवशेष) को खेत में मिला देने से मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है। उन्होंने ने बताया कि खेत के अंदर जीवांश की मात्रा कम होने के कारण सब्जियों, फलों एवं अन्य फसलों में स्वाद व गुणवत्ता की बहुत कमी आ जाती है। जो कि फसल अवशेषों की खाद को मृदा में मिलाने से बढ़ाई जा सकती है। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ.शशिकांत द्वारा बताया गया कि पशुओं द्वारा गोबर की खाद को मिलाने व फसल अवशेषों को मिलाने से मृदा में जीवांश कार्बन बढ़ती है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर निबंध लेखन, चित्रकला व वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। वहीं छात्रों ने रैली भी निकाली। इस कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान, डॉ.निमिषा अवस्थी और वरिष्ठ गृह वैज्ञानिक डॉ.मिथिलेश वर्मा ने भी छात्र-छात्राओं को जागरूक किया। कार्यक्रम में एसआरएफ के गौरव शुक्ला, शुभम यादव, विद्यालय के प्रधानाचार्य सुभाष चंद्र, अरविंद त्रिपाठी, संगीता देवी, राम जी और संजय सिंह चौहान आदि थे।

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

राहुल ने राउरकेला में मंदिर के दर्शन किए... 12 | विधायक ने जिला पंचायत की दर्जनों जर्जर सड़कों... 10

जन एक्सप्रेस

लखनऊ | वर्ष: 15 | अंक: 117 | मूल्य: 3.00/- | पेज: 12

@janexpressnews | janexpresslive | janexpresslive | www.janexpresslive.com/epaper

बुधवार | 08 फरवरी, 2024

फसल अवशेषों में आग लगाने से होता है मिट्टी के पोषक तत्वों का नुकसान

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा फसल अवशेष योजना के अंतर्गत बुधवार को भेवान स्थित बुद्ध लाल वर्मा इंटर कॉलेज में स्कूल विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। जिसमें 135 से भी अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के प्रभारी डॉ.अजय कुमार सिंह ने कहा कि किसान के फसल अवशेषों में आग लगाने से पर्यावरण प्रदूषित होता है व मिट्टी के पोषक तत्वों का नुकसान होता है। उन्होंने बताया कि पराली को खेत में मिला देने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ती है वही खेत के अंदर जीवांश की मात्रा कम होने के कारण सब्जियों, फलों एवं अन्य फसलों में स्वाद व गुणवत्ता की बहुत कमी आ जाती है। जो कि फसल अवशेषों की खाद को मृदा में मिलाने से बढ़ाई जा सकती है। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ.शशिकांत ने बताया कि गोबर की खाद व फसल अवशेषों को मिलाने से मिट्टी की जीवांश क्षमता बढ़ती है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर निबंध लेखन, चित्रकला एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। तथा छात्रों ने रैली भी निकाली।कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक डॉ.खलील खान, डॉ.निमिषा अवस्थी एवं वरिष्ठ गृह वैज्ञानिक डॉ.मिथिलेश वर्मा ने भी छात्र-छात्राओं को जागरूक किया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक अरविंद त्रिपाठी, संगीता देवी, राम जी एवं संजय सिंह चौहान सहित अन्य विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

Sign in to edit and save changes to this file.

अंक-328 | कानपुर, गुरूवार 8 फरवरी 2024 | पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

पुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौहदा, बादा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

उन्होंने
ते हुए
कालेज
कानपुर
सम्पूर्ण
जाती
य के
चौहान,
सिंह,
यादव,
कुमार
उमेश
शिक्षक
उपस्थित

फसल अवशेष प्रबंधन हेतु चलाया स्कूल स्तरीय जागरुकता अभियान

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा फसल अवशेष योजना अंतर्गत स्कूल विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बुद्ध लाल वर्मा इंटर कॉलेज भेवान में आयोजित किया गया। जिसमें 135 से भी अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। यह कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुआ। जिसमें डॉ सिंह द्वारा बताया गया कि किसान भाई फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं। जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है साथ ही साथ मृदा में पोषक तत्वों का नुकसान होता है।उन्होंने छात्र-छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया कि पराली (फसल अवशेष) को खेत में मिला देने से मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है।उन्होंने ने बताया कि खेत के अंदर जीवांश की मात्रा कम होने के कारण सब्जियों,फलों एवं अन्य फसलों में स्वाद व गुणवत्ता की बहुत कमी आ जाती है। जो कि फसल अवशेषों की खाद को मृदा में मिलाने से बढ़ाई जा सकती है। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ शशिकांत द्वारा बताया गया कि पशुओं द्वारा गोबर की खाद को मिलाने व फसल अवशेषों को मिलाने से मृदा में जीवांश क्षमता बढ़ती है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर निबंध लेखन,चित्रकला एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। तथा छात्रों ने रैली भी निकाली।इस कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान, डा.निमिषा अवस्थी एवं वरिष्ठ गृह वैज्ञानिक डॉक्टर मिथिलेश वर्मा ने भी छात्र-छात्राओं को जागरूक किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में एफसीए श्री गौरव शुक्ला एवं शुभम यादव ने विशेष योगदान दिया।कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री सुभाष चंद्र ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया। साथ ही छात्र छात्राओं से कहा कि अपने अभिभावकों को फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में जानकारी अवश्य दें। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक अरविंद त्रिपाठी, संगीता देवी, राम जी एवं संजय सिंह चौहान सहित अन्य विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

...ील प्रभुपाद के शिष्यों ने ... अद्भुत आध्यात्मिक शिक्षा

हजार
साल
प में
द 14
किया
कमणि
प्रथम
हैं।वे
भी
शास्त्रों
ज्ञान
हे हैं।

अनुत्तम प्रभुजी वर्तमान समय में इस्कॉन इंटरनेशनल कम्युनिकेशंस के डायरेक्टर के पद पर सेवारत है। और पूरे विश्व के नेताओं, व्यापारियों इत्यादि को इस्कॉन की विभिन्न गतिविधियों के बारे में अवगत कराते है और पूरे विश्व में इस्कॉन की गतिविधियों को समाचार और पत्राचार के माध्यम से प्रसारित करते है। प्रभुजी ने भारत भर से आए हुए भक्तों को श्रीमद्भगवद्गीता आदि वैदिक ग्रंथों को जन-मानस तक पहुंचाने हेतु प्रचार के तरीकों का ज्ञान प्रदान किया।साथ ही श्रीमती रूकमणि माता ने माताओं को शास्त्रों के अनुसार स्त्री धर्म का संदेश प्रदान किया। महिलाओं को वैदिक शास्त्र के अनुसार पतिव्रता धर्म को सबसे महत्पूर्ण बताया । रुक्मणि माता ने माताओं को बच्चो को विशेष रूप से रामायण और महाभारत की कहानी के माध्यम से बचपन से कृष्ण भक्ति में लगाने के लिए प्रत्साहित किया । ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से भारत के युवक युवतियों को निश्चित ही अपनी आध्यात्मिक सभ्यता को अपनाने का स्वर्णिम अवसर प्राप्त होता है। और उन्हें सोचना चाहिए कि कैसे हमे भारतीय संस्कृति पर गर्व होना चाहिए। कि कितने सारे विदेशी भी इस संस्कृति को अपनाकर और हरे कृष्ण महामंत्र का जप करके अपने जीवन में सच्ची खुशी और जीवन के परम लक्ष्य की प्राप्ति कर रहे है।इस मौके पर दिल्ली से आए इस्कॉन भारत के कम्युनिकेशन डायरेक्टर व्रजेंद्र नंदन दास और युद्धिथिर गोविंद दास जी ने भी अपने अनुभवों को शेयर करते हुए युवाओं को अपने अपने मंदिरों में समाज कल्याण के लिए अपने प्रयासों को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया ।

पुलि... ...

आज क...

कानपुर
कोतवा...
चौराहों
किया
साथ
मौजूद
व्यवस्थ...
सुरक्षा
आवश्य...
बुधवार
अखिल...
कोतवा...
प्रमुख
निरीक्षण
उन्होने
तिराहा,
सर्राफा,
मन्दिर
किया

शिव पुराण की अमृतम...

आज का कानपुर

कानपुर । भगवान शिव की कथा ही अमृत... पार्क रामलीला मैदान में शिव महापुर... अमृतमई कथा कलश यात्रा से प्रार... वानखंडेश्वर मंदिर से होते हुए ब्रह्म नगर ... पार्क को पहुंची कलश यात्रा में सैकड़ो म...

फसल अवशेष प्रबंधन हेतु चलाया स्कूल स्तरीय जागरूकता अभियान

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा फसल अवशेष योजना अंतर्गत स्कूल विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बुद्ध लाल वर्मा इंटर कॉलेज भेवान में आयोजित किया गया। जिसमें 135 से भी अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। यह कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुआ। जिसमें डॉ सिंह द्वारा बताया गया कि किसान भाई फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं। जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है साथ ही साथ मृदा में पोषक तत्वों का नुकसान होता है।उन्होंने छात्र.छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया कि पराली फसल अवशेष को खेत में मिला देने से मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है। उन्होंने ने बताया कि खेत के अंदर जीवांश की मात्रा कम होने के कारण सब्जियों, फलों एवं अन्य फसलों में स्वाद व गुणवत्ता की बहुत कमी आ जाती है। जो कि फसल अवशेषों की खाद को मृदा में मिलाने से बढ़ाई जा सकती है। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ शशिकांत द्वारा बताया गया कि पशुओं द्वारा गोबर की खाद को मिलाने व फसल अवशेषों को मिलाने से मृदा में जीवांश क्षमता बढ़ती है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर निबंध लेखन, चित्रकला एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। तथा छात्रों ने रैली भी निकाली। कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खानए डा0 निमिषा अवस्थी एवं वरिष्ठ गृह वैज्ञानिक डॉक्टर मिथिलेश वर्मा ने भी छात्र-छात्राओं को जागरूक किया।

WORLD खबर EXPRESS

WORLD खबर एक्सप्रेस

बुधवार

07 फरवरी, 2024

अंक - 178

फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर चलाया गया स्कूल स्तर पर जागरूकता अभियान

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा फसल अवशेष योजना अंतर्गत स्कूल विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बुद्ध लाल वर्मा इंटर कॉलेज भेवान में आयोजित किया गया। जिसमें 135 से भी अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। यह कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुआ। जिसमें डॉ सिंह द्वारा बताया गया कि किसान भाई फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं। जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है साथ ही साथ मृदा में पोषक तत्वों का नुकसान होता है।उन्होंने छात्र-छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया कि पराली (फसल अवशेष) को खेत में मिला देने से मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है।उन्होंने ने बताया कि खेत के अंदर जीवांश की मात्रा कम होने के कारण सब्जियों,फलों एवं

अन्य फसलों में स्वाद व गुणवत्ता की बहुत कमी आ जाती है। जो कि फसल अवशेषों की खाद को मृदा में मिलाने से बढ़ाई जा सकती है। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ शशिकांत द्वारा बताया गया कि पशुओं द्वारा गोबर की खाद को मिलाने व फसल अवशेषों को मिलाने से मृदा में जीवांश क्षमता बढ़ती है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर निबंध लेखन,चित्रकला एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। तथा छात्रों ने रैली भी निकाली।इस कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान, डा.निमिषा अवस्थी एवं वरिष्ठ गृह वैज्ञानिक डॉक्टर मिथिलेश वर्मा ने भी छात्र-छात्राओं को जागरूक किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में एफसीए श्री गौरव शुक्ला एवं शुभम यादव ने विशेष योगदान दिया।कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री सुभाष चंद्र ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया। साथ ही छात्र छात्राओं से कहा कि अपने अभिभावकों को फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में जानकारी अवश्य दें। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक अरविंद त्रिपाठी, संगीता देवी, राम जी एवं संजय सिंह चौहान सहित अन्य विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

-39 लखनऊ व एटा से प्रकशित गुरूवार, 08 फरवरी 2024 R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ- 8

फसल अवशेष प्रबंधन हेतु चलाया स्कूल स्तरीय जागरूकता अभियान

अनवर अशरफ

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा फसल अवशेष योजना अंतर्गत स्कूल विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बुद्ध लाल वर्मा इंटर कॉलेज भेवान में आयोजित किया गया। जिसमें 135 से भी अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। यह कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुआ। जिसमें डॉ सिंह द्वारा बताया गया कि किसान भाई फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं। जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है साथ ही साथ मृदा में पोषक तत्वों का नुकसान होता है।उन्होंने छात्र-छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया कि पराली (फसल अवशेष) को खेत में मिला देने से मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है।उन्होंने ने बताया कि खेत के अंदर जीवांश की मात्रा कम होने के कारण सब्जियों,फलों एवं अन्य फसलों में स्वाद व गुणवत्ता की बहुत कमी आ जाती है। जो कि फसल अवशेषों की खाद को मृदा में मिलाने से बढ़ाई जा सकती है। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ शशिकांत द्वारा बताया गया कि पशुओं द्वारा गोबर की खाद को मिलाने व फसल अवशेषों को मिलाने से मृदा में जीवांश क्षमता बढ़ती है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर निबंध लेखन,चित्रकला एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। तथा छात्रों ने रैली भी निकाली।इस कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान, डा.निमिषा अवस्थी एवं वरिष्ठ गृह वैज्ञानिक डॉक्टर मिथिलेश वर्मा ने भी छात्र-छात्राओं को जागरूक किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में एफसीए श्री गौरव शुक्ला एवं शुभम यादव ने विशेष योगदान दिया।कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री सुभाष चंद्र ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया। साथ ही छात्र छात्राओं से कहा कि अपने अभिभावकों को फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में जानकारी अवश्य दें। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक अरविंद त्रिपाठी, संगीता देवी, राम जी एवं संजय सिंह चौहान सहित अन्य विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 217 कानपुर, गुरुवार 08 फरवरी 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

फसल अवशेष प्रबंधन हेतु चलाया स्कूल स्तरीय जागरूकता अभियान

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा फसल अवशेष योजना अंतर्गत स्कूल विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बुद्ध लाल वर्मा इंटर कॉलेज भेवान में आयोजित किया गया। जिसमें 135 से भी अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। यह कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुआ। जिसमें डॉ सिंह द्वारा बताया गया कि किसान भाई फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं। जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है साथ ही साथ मृदा में पोषक तत्वों का नुकसान होता है।उन्होंने छात्र-छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया कि पराली (फसल अवशेष) को खेत में मिला देने से मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है।उन्होंने ने बताया कि खेत के अंदर जीवांश की मात्रा कम होने के कारण सब्जियों,फलों एवं अन्य फसलों में स्वाद व गुणवत्ता की बहुत कमी आ जाती है। जो कि फसल अवशेषों की खाद को मृदा में मिलाने से बढ़ाई जा सकती है। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ शशिकांत द्वारा बताया गया कि पशुओं

द्वारा गोबर की खाद को मिलाने व फसल अवशेषों को मिलाने से मृदा में जीवांश क्षमता बढ़ती है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर निबंध लेखन,चित्रकला एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। तथा छात्रों ने रैली भी निकाली।इस कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान, डा.निमिषा अवस्थी एवं वरिष्ठ गृह वैज्ञानिक डॉक्टर मिथिलेश वर्मा ने भी छात्र-छात्राओं को जागरूक किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में एफसीए गौरव शुक्ला एवं शुभम यादव ने विशेष योगदान दिया।कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य सुभाष चंद्र ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया। साथ ही छात्र छात्राओं से कहा कि अपने अभिभावकों को फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में जानकारी अवश्य दें। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक अरविंद त्रिपाठी, संगीता देवी, राम जी एवं संजय सिंह चौहान सहित अन्य विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।